Annex 2. School Based Mass Deworming Program Press Release (English)

For Immediate Release

Patna, Bihar

January 16, 2014

Over 19.2 million school-age children, both enrolled and non-enrolled, will be targeted with deworming treatment *(Albendazole 400 mg)* in all government schools in Bihar on January 23, as the third round of the Bihar Mass School-Based Deworming Program gets underway. Over 70,000 schools will take part in the program being carried out jointly by the State Health Society of Bihar (SHSB) and the Bihar Education Project Council (BEPC), with support from Deworm the World Initiative, part of the global non-profit organization Evidence Action. The Bihar deworming program is the largest school-based deworming program in the world to date.

Over 50 per cent of children in Bihar are infected with parasitic worms and all school-age children in the state are at risk of being infected at any time. One tablet of *albendazole* rids the child of parasitic worms which live in the child's intestines and eat the nutrients the child needs for healthy mental and physical development. This tablet is safe for both infected and non-infected children and has a pleasant flavor.

The first round of school-based deworming in Bihar, carried out in 2011, treated 17 million children, followed by 16.33 million children in 2012. Its continued success is due to the will and commitment of the political and bureaucratic leadership in the state, as well as a robust partnership between the Government of Bihar's SHSB and BEPC and technical assistance partner Deworm the World Initiative.

On Deworming Day, January 23, all school-age children will be provided the tablet after the mid-day meal. Children who are left out on Deworming Day will be provided the tablet on the mop up date of January 28. Non-enrolled children are advised to have their meals at home and take the drug at the nearest school. Children, who are unwell on the day of deworming or not had their meals, shall not be provided with the medicine. The drug causes only mild, rare and transient side events and is generally related to degeneration of the worms that have been killed.

The SHSB has issued an adverse event protocol to all health facilities and providers across the state to advice on management of any adverse events if reported. All headmasters and schoolteachers who have been oriented on deworming have also been briefed on adverse event management at the school level.

Research shows that children who remain infected with worms earn 43 per cent less as adults and are 13 per cent less likely to be literate. Deworming has also been shown to reduce school absenteeism by as much as 25 per cent.

For any further queries on the Bihar school-based deworming program, reach out to: –
Nodal Officers for BEPC- Mr. Rameshwar Pandey at 9431465957and for SHSB- Dr. Mishra 9470003022
You may also contact Ms. Priya Jha, Country Director, Deworm the World Initiative at +91- 9818780576

Annex 2. School Based Mass Deworming Program Press Release (Hindi)

प्रेस विज्ञप्ति

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार (SHSB), बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना (BEPC) तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्था डिवर्म दी वर्ल्ड (Deworm the World) के द्वारा अगस्त 30, 2010 को एक समझौता ज्ञापन पर संयुक्त हस्ताक्षर किया गया, जिसमें पूरे राज्य में 6–14 वर्ष के सभी बच्चों को विद्यालय स्वास्थ्य के अन्तर्गत कृमि से मुक्त करने हेतु दवा प्रदान किये जाने का प्रावधान किया गया है ।

विभिन्न शोध कार्यो से यह पाया गया है कि बच्चों को कृमिमुक्त (Dewormed) करने से उनके शिक्षा एवं पोषण के स्तर में काफी महत्वपूर्ण सुधार होते हैं । जहाँ कृमि संक्रमण ज्यादा है वहाँ डिवर्मिंग के फलस्वरूप विद्यालय में 25 प्रतिशत तक उपस्थिति में वृद्धि परिलक्षित होती है । कृमि से संक्रमित बच्चों के शिक्षित होने की संभावना सामान्य बच्चों की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत कम होती है एवं वे वयस्क होने पर अपने हमउम्र की तुलना में लगभग 43 प्रतिशत कम आय हीं अर्जित कर पाते हैं।

यह पाया गया है कि विद्यालय जाने वाले बच्चे कृमि संक्रमण के लिए आसान शिकार बन जाते हैं तथा यह संक्रमण उनके स्वास्थ्य, पोषण तथा शिक्षा को काफी बुरी तरह प्रभावित करता है । यह विद्यालय आधारित डिवर्मिंग कार्यक्रम मृदाजनित कृमि (Round Worm, Hook Worm तथा Whip Worm) को समाप्त करने का एक सफल प्रयास है ।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सभी सरकारी एवं विद्यालयो में 6–14 वर्ष आयु के बच्चों को कृमिमुक्त करने हेतु Single Dose अलबेंडाजोल (400 mg) मध्याह्न भोजन के पश्चात् खिलाया जाना है। यह दवा विद्यालय के प्रधानाध्यापक के देख–रेख में दो शिक्षकों द्वारा खिलाया जाता है । प्रथम एवं द्वितीय चक्र की उपलब्धि निम्न है :

उपलब्धि

विद्यालय आधारित डिवर्म कार्यक्रम	लक्ष्य	अलबेंडाजोल खिलाये गये बच्चों की संख्या	उपलब्धि (प्रतिशत में)
प्रथम चक्र (7 फरवरी, 7 मार्च एवं 7 अप्रैल, 2011)	20797574	17044840	82%
द्वितीय चक्र (10 सितम्बर एवं 15 सितम्बर, 2012)	20126222	16937403*	84%

*602401 वयस्क शामिल

विद्यालय आधारित डिवर्मिंग कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वभर में बिहार की उपरोक्त उपलब्धि ऐतिहासिक है। **एलबेंडाजोल की गोली खिलाये जाने का तीसरा चक्र दिनांक 23 जनवरी, 2014 (डिवर्मिंग डे) एवं दिनांक 28 जनवरी, 2014 (मॉप अप डे) को निर्धारित है ।**

कृमि–मुक्ति दिवस 23 जनवरी 2014 को विद्यालय जाने की उम्र वाले सभी बच्चों को मध्याह्न भोजन के उपरांत अलबेंडाजोल दवा की एक गोली दी जायेगी। जो बच्चे कृमि–मुक्ति दिवस को दवा नहीं खा सकेंगे उन्हे मॉप–अप दिवस 28 जनवरी 2014 को दवा खिलाया जायेगा। गैर नामांकित बच्चों को सलाह दिया जाता है कि वे घर पर खाना खायें और नजदीकी विद्यालय आकर दवा लें। बच्चे जो कृमि–मुक्ति दिवस को बीमार हों या जिन्होनें खाना नहीं खाया हो, उन्हे दवा नहीं दिया जायेगा। दवा से यदा–कदा सामान्य प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं जो सामान्यतः दवा के प्रभाव से पेट में मरने वाले कीड़ों की वजह से होता है।

राज्य स्वास्थ्य समिति ने राज्य के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों एवं स्वास्थ्य सेवा देने वाले लोगों को किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निबटने हेतू प्रोटोकॉल जारी किया है ताकि किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का प्रबंधन किया जा सके। सभी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों, जिनका उन्मुखीकरण किया गया है, को भी विद्यालय स्तर पर किसी प्रतिकूल घटना के प्रबंधन हेतू जानकारी दी गई है।

बिहार विद्यालय आधारित कृमि–मुक्ति कार्यक्रम के बारे में और अधिक जानकारी के लिए पूछें:

नोडल अधिकारी

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार – डॉ० एन० के० मिश्रा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकरी, 9470003022
बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् – श्री रामेश्वर पांडेय, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, 9431465957
आप इनसे भी सम्पर्क कर सकते हैं – सुश्री प्रिया झा, राष्ट्रीय निदेशक, डिवर्म द वर्ल्ड इनिसिएटिव, +91–9818780576